www.sgbauonline.com

AU–2116

M.A. (Part–I) Examination

INDIAN MUSIC

Paper–I

(Applied Theory and Musical Composition)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

N.B. :– Solve **ALL** five questions.

1. Write the following notations from your syllabus :
   (a) A Vilambit Khyal or Mastikhani gat in Raga Puriya Kalyan with two Alaps and two Tanas.
   (b) A complete Dhrupad with Tigun in any Raga.

   OR

   (c) Drut Khyal or Razakhani Gat of any Raga of Bhairav anga, with two Alaps and Two Tanas.
   (d) A complete Tarana with tihai in any Raga. 20
2. (a) Write about 'Bilaval' and 'Kalyan' Raganga and explain its application in different Ragas from your syllabi.
   (b) Write the following Talas in following Layakari :
      (1) Roopak – Dugun
      (2) Zaptal – Tigun
      (3) Dipchandi – Chougun
      (4) Jat – Aad lay.

   OR

   (c) Compare the following :
      (1) Shuddh Sarang – Brindabani Sarang
      (2) Sur Malhar – Miya Malhar.
   (d) Write the following Talas in following Layakari :
      (1) Aada Choutal – Tigun
      (2) Dadara – Chougun
      (3) Tilwada – Kuaad
      (4) Ektal – Aad. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

3. (a) Compose the following lines in any Raga from your syllabus (any Taal) :

माने ना मोरी ढीठ लंगरवा ।
कैसे घर जाऊ रोके डगरवा ।।
जागत है मोरी सास ननंदिया ।
देखत है सब लोग लुगैया ।।

OR

(b) Explain the diagram of Khandmeru and Nashta Uddishta method with example. 20

4. Write in detail about origin and development of Dhrupad style.

OR

Write about modern electronics Instruments and their utility. 20

5. (a) Write definition and information of folk music and co-relation of classical music and folk music in detail.

(b) Introduction of Folk music in Madhya Pradesh and Chhattisgarh.

OR

(c) Write about Folk Songs of Maharashtra

(d) Write about Folk Songs of Uttar Pradesh and Punjab. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AU–2116

M.A. (Part–I) Examination

INDIAN MUSIC

Paper–I

(Applied Theory and Musical Composition)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

(मराठी माध्यम)

नोट :– सर्व पाच प्रश्न आवश्यक.

1. अभ्यासक्रमातील खालील गीतप्रकार स्वरलिपिबद्ध करा :
   (अ) पुरिया कल्याण रागाचा बिलंबित ख्याल किंवा मसितखानी गत दोन आलाप व दोन तानांसह.
   (ब) कोणतही एका रागातील ध्रुपद संपूर्ण तिप्पटीत.

किंवा

   (क) भैरव अंगाच्या द्रुतख्याल किंवा रज़ाखानी गत दोन आलाप व दोन तानासह.
   (ड) कोणत्याही रागातील तराना तिहाईसह. 20

2. (अ) विलावल आणि कल्याण रागांगाची माहिती देवून अभ्यासक्रमातील रागांच्या आधारे वरिल अंग स्पष्ट करा.
   (ब) खालील ताल लयकारीसह लिपीबद्ध करा :
      (1) रूपक – दुगुन
      (2) झपताल – तिप्पट
      (3) दिपचंदी – चौपट
      (4) जत – आडलय

किंवा

   (क) खालील रागांचा तुलना करा :
      (1) शुद्धसारंग – बृंदावनीसारंग
      (2) सूरमल्हार – मियांमल्हार
   (ड) खालील ताल लयकारीसह लिहा :
      (1) आडाचौताल – तिप्पट
      (2) दादरा – चौपट
      (3) तिलवाडा – कुआड
      (4) एकताल – आडलय. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

3. (अ) खालील काव्यपंक्ति अभ्यासक्रमातील रागात स्वरलयबद्ध करा (कोणत्याही तालात) :

माने ना मोरी ढीठ लंगरवा ।
कैसे घर जाऊ रोके डगरवा ।।
जागत है मोरी सास ननंदिया ।
देखत है सब लोग लुगैया ।।

किंवा

(ब) खंडमेरूची आकृती देवून नष्ट व उद्दिष्ट पद्धत सोदाहरण स्पष्ट करा. 20

4. (अ) ध्रुपद शैलिची उत्पत्ती व विकास सविस्तर लिहा.

किंवा

(ब) आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स वाद्यांची माहिती लिहून त्यांची उपयुक्तता स्पष्ट करा. 20

5. (अ) लोकसंगीताची व्याख्या आणि माहिती देवून शास्त्रीय संगीत व लोकसंगीताचा परस्पर संबंध विस्ताराने लिहा.

(ब) मध्यप्रदेश व छत्तीसगडच्या लोकसंगीताचा परिचय लिहा.

किंवा

(क) महाराष्ट्रातील लोकगीतांची माहिती लिहा.

(ड) उत्तरप्रदेश व पंजाब मधील लोकगीतांची माहिती लिहा. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

M.A. (Part–I) Examination

INDIAN MUSIC

Paper–I

(Applied Theory and Musical Composition)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

(हिन्दी माध्यम)

नोट :– सभी **पाँच** प्रश्न हल कीजिए ।

1. पाठयक्रम के रागों में निम्नलिखित गीतप्रकार स्वरलिपीबद्ध कीजिए ।
   (अ) पुरिया कल्याण राग में बिलंबित ख्याल अथवा मसीतखानी गत दो आलाप तथा दो तानों के साथ।
   (ब) किसी भी राग में संपूर्ण ध्रुपद तिगुन सहित ।

   अथवा

   (क) भैरव अंग के राग में द्रुत ख्याल अथवा रजाखानी गत दो आलाप तथा दो तानों के साथ ।
   (ड) किसी भी राग में तराना तिहाई के साथ । 20
2. (अ) बिलावल एवं कल्याण रागांग की जानकारी देकर पाठ्यक्रम के रागों के आधार पर उपर्युक्त अंग स्पष्ट कीजिए ।
   (ब) निम्न ताल लयकारी सह लिखिए :
      (1) रूपक - दुगुन
      (2) झपताल - तिगुन
      (3) दिपचंदी - चौगुन
      (4) जत - आड लय

   अथवा

   (क) निम्नलिखित रागों की तुलना कीजिए :
      (1) शुद्धसारंग - बृंदावनी सारंग
      (2) सूरमल्हार - मियांमल्हार
   (ड) निम्न ताल-लयकारी के साथ लिखिए :
      (1) आडा चौताल - तिगुन
      (2) दादरा - चौगुन
      (3) तिलवाडा - कुआड लय
      (4) एकताल - आड. 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

3. (अ) निम्न काव्य पंक्तियाँ पाठयक्रम के किसी भी राग में स्वर व लयबद्ध कीजिए (किसी भी ताल में):

माने ना मोरी ढीठ लंगरवा ।
कैसे घर जाऊ रोके डगरवा ।।
जागत है मोरी सास ननदिया ।
देखत है सब लोग लुगैया ।।

अथवा

(ब) खंडमेरु की आकृति स्पष्ट कर, नष्ट तथा उद्दिष्ट पद्धति सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । 20

4. (अ) ध्रुपद शैली की उत्पत्ति एवं विकास विस्तार से लिखिए।

अथवा

(ब) आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स वाद्यों का परिचय लिखकर उनकी उपयुक्तता स्पष्ट कीजिए । 20

5. (अ) लोकसंगीत की व्याख्या व परिचय लिखकर, शास्त्रीय संगीत एवं लोकसंगीत का परस्पर संबंध विस्तार से लिखें ।

(ब) मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के लोकसंगीत का परिचय लिखिए।

अथवा

(क) महाराष्ट्र के लोकगीतों की जानकारी लिखिए ।

(ड) उत्तरप्रदेश तथा पंजाब के लोकगीतों की जानकारी लिखिए । 20

www.sgbauonline.com